Chapter 02

# मानव जनन (Human Reproduction)

## NEET-FLASHBACK

**Q.1** मानव मादा में, रजः स्त्रव को किसके दिए जाने से आगे को टाला जा सकता है– **[AIPMT 2007]**
(1) FSH केवल
(2) LH केवल
(3) FSH तथा LH का संयोजन
(4) एस्ट्रोजन तथा प्रोजेस्टेरोन का संयोजन

**Q.2** मानवों में, प्रथम अर्धसूत्री विभाजन के बाद नर जनन कोशिकाएं किसके रूप में विभेदित हो जाती हैं? **[AIPMT 2008]**
(1) शुक्राणु (spermatids)
(2) शुक्राणुजन
(3) प्राथमिक शुक्राणु कोषिका
(4) द्वितीयक शुक्राणु कोषिका

**Q.3** मानव मादा में गर्भ निष्कासन प्रतिवर्त किसके द्वारा प्रेरित होता है :- **[AIPMT 2009]**
(1) स्तन ग्रंथियों का विभेदन होने से
(2) उल्ब तरल द्वारा दाब पड़ने से
(3) पीयूष से ऑक्सीटोसिन के मुक्त होने से
(4) पूर्ण विकसित भ्रूण (गर्भ) एवं अपरा से

**Q.4** अण्डे के भीतर योग (पीतक) की मात्रा एवं उसके वितरण में होने वाले परिवर्तन से क्या प्रभावित होगा : **[AIPMT 2009]**
(1) विदलन का प्रतिरूप
(2) बनने वाले ब्लास्टोमीयरों की संख्या
(3) निषेचन
(4) जाइगोट का बनना

**Q.5** फैलोपियन नलिका का कौनसा भाग अंडाशय के निकटतम होता है : **[AIPMT 2010]**
(1) तुंबिका (Ampulla) (2)तनुयोजी (Isthmus)
(3) कीपक (Infundibulum)
(4) ग्रीवा (Cervix)

**Q.6** पूर्ण विकसित गर्भ व अपरा से आने वाले संकेत जिनके कारण अन्तिम रूप से प्रसव होता है, उन्हे किसकी विमुक्ति की आवश्यकता होती है– **[AIPMT 2010]**
(1) अपरा से एस्ट्रोजन की
(2) मातृ पीयुष ग्रन्थि से ऑक्सिटॉसिन की
(3) गर्भ की पीयुष ग्रन्थि से ऑक्सिटॉसिन की
(4) अपरा से रिलेक्सिन की

**Q.7** इनमें से किस एक के स्त्रावो मे प्रचुर मात्रा मे फ्रक्टोस, कैल्शियम व एनजाइम्स होते है– **[AIPMT 2010]**
(1) नर सहायक ग्रन्थियों के
(2) यकृत
(3) अग्न्याशय
(4) लार ग्रन्थियां

**Q.8** मानवों में मॉरूला (तूतक) के विषय में निम्नलिखित में से कौनसा एक कथन सही है ? **[AIPMT 2010]**
(1) अविदलित युग्मज की अपेक्षा इसमें अधिक मात्रा में कोशिकाद्रव्य तथा अधिक DNA होता है।
(2) इसमें लगभग उतनी ही मात्रा में कोशिकाद्रव्य होता है जितनी कि एक अविदलित युग्मज में परन्तु DNA अधिक होता है।
(3) इनमें अविदलित युग्मज की अपेक्षा कोशिकाद्रव्य तथा DNA दोनों ही कहीं ज्यादा मात्रा में कम होते हैं।
(4) इसमें लगभग उतनी ही मात्रा में कोशिकाद्रव्य तथा DNA होते है जितनी कि अविदलित युग्मज में।

**Q.9** स्तनीय अंडाणु का द्वितीय परिपक्वन विभाजन- **[AIPMT 2010]**
(1) ग्राफियन पुटक में ही प्रथम परिपक्वन विभाजन के बाद होता है।
(2) अंडोत्सर्ग के थोड़े से ही समय के बाद, अंडाणु के फैलोपी नलिका में प्रवेश करने से पहले ही हो जाता है।
(3) तब तक नहीं होता जब तक कि उसमें कोई शुक्राणु प्रवेश नहीं कर जाता।
(4) तब तक नहीं होता जब तक कि शुक्राणु का केन्द्रक अंडाणु के केन्द्रक से समेकित नहीं हो जाता।

**Q.10** मानव शुक्राणु के विषय में निम्नलिखित में से कौनसा एक कथन सही है ? **[AIPMT 2010]**
(1) एक्रोसोम कोई खास कार्य नहीं करता
(2) एक्रोसोम में एक शंक्वाकार नुकीली संरचना होती है जिसका उपयोग अंडे को भेदने में और उसके भीतर प्रवेश करने के लिए किया जाता है जिससे निषेचन हो जाता है।
(3) एक्रोसोम में शुक्राणु–लाइसिन अण्डे के आवरण को घुला देते है जिससे निषेचन के लिए सुविधा हो जाती है।

(4) ऐक्रोसोम एक संवेदी संरचना का कार्य करता है जिससे शुक्राणु अंडाणु की ओर आगे–आगे बढ़ता जाता है।

**Q.11** सर्टोली कोशिकायें मिलती है – **[AIPMT2010]**
(1) अग्न्याशय मे पायी जाती है तथा कोलेसिस्टोकाइनिन स्त्रावित करती है
(2) अण्डाशयो मे पायी जाती है तथा प्रोजेस्टॉरेन स्त्रावित करती है
(3) अधिवृक्क वल्कूट मे पायी जाती है तथा एड्रिनेलीन स्त्रावित करती है।
(4) शुक्रजनक नलिकाओं मे पायी जाती है तथा जनन कोशिकाओं को पोषण प्रदान करती है

**Q.12** वासा अपवाही वाहिनीविहीन है जो निकलती है– **[AIPMT2010]**
(1) अधिवृषण से मूत्रमार्ग को जाने वाली
(2) वृषण पिण्डको से वृषण जालक को
(3) वृषण जालक से शुक्रवाहक को
(4) शुक्रवाहक से अधिवृषण को

**Q.13** नर मनुष्यों में शुक्राशयी द्रव मे प्रचुर मात्रा मे होता है– **[AIPMT2010]**
(1) राइबोस व पोटेशियम (2) फ्रक्टोस व कैल्शियम
(3) ग्लूकोज व कैल्शियम (4) DNA व टेस्टोस्टेरोन

**Q.14** गर्भ की प्रथम गतियाँ तथा इसके सिर पर बालो का प्रकट होना, सामान्यतया गर्भावस्था के किस माह के दौरान देखा जाता है– **[AIPMT2010]**
(1) तीसरा माह (2) चौथा माह
(3) पांचवा माह (4) छठा माह

**Q.15** मानव मादा मे कोरकपुटी– **[AIPMT2010]**
(1) निरोपण से पहले ही अपरा का निर्माण करती है
(2) अण्डोत्सर्ग के तीन दिन पश्चात गर्भाशय मे निरोपित हो जाती है
(3) केवल निरोपण के पश्चात ही गर्भाशय के एण्डोमेट्रियम के स्त्राव से पोषण प्राप्त करती है
(4) ट्राफोब्लास्ट कोशिकाओं द्वारा एण्डोमेट्रियम मे निरोपित हो जाती है

**Q.16** नीचे दिये जा रहे चित्र में मानवों के मादा जनन तंत्र का एक आरेखीय काट दृष्य दिखाया गया हैं इसमें I - IV में से कौनसे तीन भागों के समूह को ठीक से पहचाना गया है? **[AIPMT2011]**

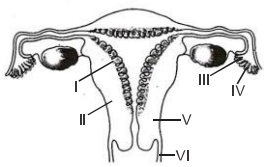


(1) (I) पेरिमेट्रियम, (II) मायोमेट्रियम, (III) फेलोपी नलिका
(2) (II) एंडोमेट्रियम, (III) इनफडिबुलम, (IV) फिमब्रोई (झल्लरी)
(3) (III) इनफंडिबुलम, (IV) फिम्ब्रोई (झल्लरी), (V) सर्विक्स
(4) (IV) अण्डवाहिनीय कीप, (V) गर्भाशय, (VI) सर्विक्स

**Q.17** मानवों में वृषण उदर गुहा से बाहर, एक थैली जिसे स्क्रोटम (वृषण कोश) कहते हैं, में स्थित होते हैं। इससे किस उद्देश्य की पूर्ति होती है- **[AIPMT2011]**
(1) नर सेक्स प्रदर्शित करने का यह एक द्वितीय लैंगिक लक्षण प्रदान करता है।
(2) इससे वृषणी तापमान भीतरी देह तापमान की अपेक्षा कम बनाया रखा जाता है।
(3) अंतरंगों द्वारा किसी भी संभावित संपीडन से बचाव हो जाता है।
(4) इससे एपिडिडिमिस की वृद्धि के लिए अधिक स्थान मिल जाता है।

**Q.18** यदि मनुष्य के जनन–तंत्र में किसी कारणवश अपवाहिकाओं में बाधा आ जाती है तो युग्मकों को कहाँ का कहाँ तक परिवहन नहीं हो जाएगा ? **[AIPMT2011]**
(1) योनी से गर्भाशय में
(2) वृषणों से अधिवृषण में
(3) अधिवृषण से शुक्रवाहिका में
(4) अण्डाशय से गर्भाशय में

**Q.19** मानवो मे अण्डाणु के निकट कई शुक्राणुओ के पहुँचने के पश्चात निषेचन के दौरान क्या घटित होता है ? **[AIPMT2011]**
(1) कोरोना रेडियटा की कोशिकायें एक को छोड़कर सभी शुक्राणुओ को पकड़ लेती है।
(2) अण्डाणु के सबसे निकट के केवल दो शुक्राणु जोना पेलुसीडा के भेदन करते है।
(3) एक्रोसोम के स्त्राव एक शुक्राणु को जोना पेलुसीडा से होकर अण्डाणु के कोशिका द्रव्य मे प्रवेश करने मे सहायता करते है
(4) अण्डाणु के सबसे निकट स्थित एक शुक्राणु को छोड़कर सभी शुक्राणु अपनी पूंछ खो देते है।

**Q.20** सामान्य मानव रजोचक्र मे लगभग किस दिन LH का तीव्र स्त्राव (LH-surge कहलाता है) होता है– **[AIPMT2011]**
(1) 5वें दिन (2) 11वें दिन
(3) 14वें दिन (4) 20वें दिन

**Q.21** मानव शरीर मे पायी जाने वाली लेडिग कोशिकायें किसका स्त्रावी स्त्रोत होती है– **[AIPMT2012]**
(1) ग्लूकागोन (2) एण्ड्रोजन्स
(3) प्रोजेस्टोरेन (4) आंत्रीय श्लेष्म

**Q.22** एक सामान्य गर्भवती महिला में सकल गोनैडोट्रोपिन सक्रियता की मात्रा का मूल्यांकन कराया गया। प्रत्याशित परिणाम इस प्रकार था : **[AIPMT 2012]**

(1) परिसंचरण करते HCG का स्तर ऊँचा होना जिससे गर्भाशय अंतःस्तर का मोटा होना उत्तेजित हो सके
(2) गर्भाशय में FSH तथा LH के उच्च स्तर होना ताकि गर्भाशय अंतःस्तर को मोटा बनाया जाना उत्तेजित हो सके।
(3) परिसंचरण करते HCG का स्तर ऊँचा होना ताकि एस्ट्रोजन तथा प्रोजेस्टेरोन का संश्लेषण उत्तेजित हो सके।
(4) गर्भाशय में परिसंचरण करते FSH तथा LH का स्तर ऊँचा होना ताकि भ्रूण का अंतर्रोपण उत्तेजित हो सके।

**Q.23** प्रसव के संकेतों का आरंभ होता है? **[AIPMT2012]**
(1) केवल पूर्ण विकसित गर्भ से
(2) अपरा और साथ ही साथ पूर्ण विकसित गर्भ दोनों से
(3) माता के पिट्यूटरी से निकले ऑक्सीटोसिन से
(4) केवल अपरा से

**Q.24** स्तनीय शुक्राणु की जीवन क्षमता के विषय में निम्नलिखित में से कौनसा एक कथन असत्य है ?
(1) शुक्राणुओं का सांद्रण एक गाढ़े निलम्बन के भीतर होना चाहिए
(2) शुक्राणु केवल 24 घंटे तक जीवन क्षम बना रहता है।
(3) शुक्राणु की उत्तरजीविता माध्यम के pH पर निर्भर होती है और क्षारीय माध्यम में वह अधिक सक्रिय बना रहता है।
(4) शुक्राणु की जीवन क्षमता उसकी गतिशीलता द्वारा निर्धारित होती है।

**Q.25** मानव रजोचक्र की स्त्रावी प्रावस्था को कहा जाता है– **[AIPMT Mains 2012]**
(1) पुटकीय प्रावस्था और यह लगभग 13 दिनो तक होती है
(2) ल्यूटियल प्रावस्था और यह लगभग 6 दिनो तक होती है
(3) पुटकीय प्रावस्था और लगभग 6 दिनो तक होती है
(4) ल्युटियल प्रावस्था और लगभग 13 दिनो तक होती है

**Q.26** निम्न मे से कौनसा एक अपरा का कार्य नहीं है ? यह **[NEET 2013]**
(1) एस्ट्रोजन स्त्रावित करता है
(2) भ्रूण से कार्बनडाइऑक्साइड अवशिष्ट पदार्थ के निष्कासन को सुगम बनाता है
(3) प्रसव के दौरान ऑक्सीटोसिन स्त्रावित करता है
(4) भ्रूण को ऑक्सीजन व पोषको की आपूर्ति को सुगम बनाता है।

**Q.27** आर्तव–रिसाव किसकी कमी के कारण होता है ? **[NEET 2013]**
(1) FSH (2) ऑक्सीटोसिन
(3) वैसोप्रेसिन (4) प्रोजेस्टेरॉन

**Q.28** शुक्राणु के निर्माण का सही अनुक्रम कौनसा है ? **[NEET 2013]**
(1) स्पर्मेटोगोनिया, स्पर्मेटोसाइट, स्पर्मेटोजोआ, स्पर्मेटिड
(2) स्पर्मेटोगोनिया, स्पर्मेटोजोआ, स्पर्मेटोसाइट, स्पर्मेटिड
(3) स्पर्मेटोगोनिया, स्पर्मेटोसाइट, स्पर्मेटिड, स्पर्मेटोजोआ
(4) स्पर्मेटिड, स्पर्मेटोसाइट, स्पर्मेटोगोनिया, स्पर्मेटोजोआ

**Q.29** स्तनधारियो में कार्पसल्यूटियम का मुख्य कार्य निम्नलिखित को ही पैदा करना होता है : **[AIPMT 2014]**
(1) केवल एस्ट्रोजन
(2) प्रोजेस्ट्रोन
(3) मानव कोरियोनिक गोनेडोट्रोपिन
(4) केवल रिलेक्सिन

**Q.30** मानव नर में जनन और मूत्र प्रणाली की साझी अंत्य वाहिका है। **[AIPMT 2014]**
(1) मूत्र मार्ग (2) मूत्र वाहिनी
(3) शुक्रवाहक (4) शुक्रवाहिका

**Q.31** एक सामान्य गर्भवती स्त्री में गोनेडोट्रॉपिन की सही सक्रियता का वर्णन करने वाले विकल्प का चयन कीजिये– **[AIPMT 2014]**
(1) FSH तथा LH के उच्च स्तर द्वारा एन्डोमेट्रियम के स्थूलन का उद्दीपन।
(2) FSH तथा LH के उच्च स्तर द्वारा भ्रूण के अंतरोपण को सुविधा जनक बनाना।
(3) hCG का उच्च स्तर ऐट्रोजन और प्रोजेस्ट्रोन के संश्लेषण का उद्दीपन करता है।
(4) hCG का उच्च स्तर एन्डोमेट्रियम के स्थूलन का उद्दीपन करता है।

**Q.32** हिस्टेरेक्टोमी में शल्यक्रिया द्वारा किसको काट कर निकाला जाता है- **[AIPMT 2015]**
(1) स्तनग्रंथियाँ (2) गर्भाशय
(3) प्रॉस्टेट ग्रंथि (4) शुक्रवाहक

**Q.33** निम्नलिखित में से मानवों में प्रसव की प्रक्रिया के आरंभ के लिए एक महत्वपूर्ण घटक नहीं होता ? **[AIPMT 2015]**
(1) प्रोलैक्टिन की निर्मुक्ति
(2) ईस्ट्रोजन और प्रोजेस्टेरोन अनुपात में वृद्धि
(3) प्रोस्टैग्लैंडिन का संश्लेषण
(4) ऑक्सीटोसिन की निर्मुक्ति

**Q.34** क्षमतायन (कैपीसिटेशन) किसमें बदलाव होने को बताता है- **[AIPMT 2015]**
(1) निषेचन के पश्चात् शुक्राणु में
(2) निषेचन से पूर्व शुक्राणु में
(3) निषेचन के पूर्व अंडाणु में
(4) निषेचन के पश्चात् अंडाणु में

**Q.35** युग्मकजनन के दौरान निम्नलिखित में से कौनसी कोशिका सामान्यतः द्विगुणित होती है ?

**[AIPMT 2015]**

(1) द्वितीयक ध्रुवकाय (2) प्राथमिक ध्रुवकाय
(3) प्रशुक्राणु (4) शुक्राणुजन

**Q.36** एक्टोपिक गर्भावस्थाओं को दर्शाया जाता है–
**[Re-AIPMT 2015]**
(1) हार्मोन असन्तुलन के कारण समाप्त गर्भावस्थाओं के रूप में
(2) आनुवांशिक अपसामान्यता युक्त गर्भावस्थायें
(3) गर्भाशय के बजाय अन्य स्थान पर भ्रूण का निरोपण
(4) गर्भाशय मे विकृत भ्रूण का निरोपण

**Q.37** निम्नलिखित घटनाओं में से कौनसी घटना स्त्री में अंडोत्सर्जन से संबंधित नहीं है : **[Re-AIPMT 2015]**
(1) LH प्रवाह
(2) ईस्ट्रेडिओल में कमी
(3) ग्राफी पुटक का पूर्ण विकास
(4) द्वितीयक अंडक का निर्मोचन

**Q.38** मानव मादाओं में, अर्धसूत्रीविभाजन-II किसके पूर्ण हो जाने पर ही होता है ? **[Re-AIPMT 2015]**
(1) जन्म (2) यौवनारंभ
(3) निषेचन (4) गर्भाशय में रोपण

**Q.39** एन्ट्रमी (antral) पुटक में निम्नलिखित में से कौनसी संरचना अकोशिकीय होती है? **[Re-AIPMT 2015]**
(1) जोना पेलूसिडा (2) ग्रेनुलोसा
(3) थीका (4) स्ट्रोमा

**Q.40** प्रायोगिक रूप से मानवो मे निषेचन केवल तब सम्भव होता है जब– **[NEET (Phase-I) 2016]**
(1) फेलोपियन नलिका मे अण्डाणु के मुक्त होने के ठीक पश्चात शुक्राणुओं को योनी मे पहुँचाया जाता है
(2) फेलोपियन नलिका के तुम्बिका इस्थमस सन्धि पर अण्डाणु व शुक्राणुओं को एक साथ पहुँचाया जाता है
(3) गर्भाशय ग्रीवा के तुम्बिका इस्थमस सन्धि पर अण्डाणु व शुक्राणुओं को एक साथ पहुँचाया जाता है
(4) गर्भाशय मे अण्डाणु के मुक्त होने के 48 घण्टो के अन्दर शुक्राणुओं को गर्भाशय ग्रीवा मे पहुँचाया जाता है

**Q.41** गलत कथन का चयन कीजिये–
**[NEET (Phase-I) 2016]**
(1) FSH, सर्टोली कोशिकाओं को उद्दीप्त करता है जो शुक्र जनन मे सहायता करता है
(2) LH, अण्डाशय मे अण्डोत्सर्ग प्रारम्भ करता है
(3) LH व FSH पुटिकी प्रावस्था के दौरान धीरे–धीरे घटते है
(4) LH, लेडिग कोशिकाओ से एण्ड्रोजन्स के स्त्रावण को प्रारम्भ कराता है।

**Q.42** वाहिकोच्छेदन (vasectomy) के सम्बन्ध मे निम्न में से कौनसा गलत है ? **[NEET (Phase-II) 2016]**
(1) वासा डिफेरेन्सिया को काटकर बान्ध दिया जाता है
(2) अव्यूत्क्रम बन्ध्यता
(3) शुक्र द्रव मे कोई शुक्राणु नहीं मिलते है
(4) अधिवृषण मे कोई शुक्राणु नहीं मिलते है

**Q.43** शुक्राणुओं के परिवहन के मार्ग को निम्न मे से कौन सही दर्शाता है ? **[NEET (Phase-II) 2016]**
(1) वृषण जालक → शुक्र वाहक → अपवाही नलिकायें → अधिवृषण
(2) अपवाही नलिकायें → वृषण जालक → शुक्र वाहक → अधिवृषण
(3) वृषण जालक → अपवाही नलिकायें → अधिवृषण → शुक्र वाहक
(4) वृषण जालक → अधिवृषण → अपवाही नलिकायें → शुक्र वाहक

**Q.44** कई हार्मोन्स जैसे hCG, hPL, एस्ट्रोजन, प्रोजेस्टोरेन किसके द्वारा उत्पन्न किये जाते है–
**[NEET (Phase-II) 2016]**
(1) फेलोपियन नलिका (2) पीयूष ग्रन्थि
(3) अण्डाशय (4) अपरा

**Q.45** 'इंहिबिन' के बारे में **सही** कथन पहचानिए–
**[NEET (Phase-I) 2016]**
(1) LH, FSH तथा प्रोलैक्टिन स्त्रवण को संदमित करता है।
(2) यह अंडाशय की कणिकीय कोशिकाओं द्वारा उत्पन्न होता है और FSH स्त्रवण को संदमित करता है।
(3) यह अंडाशय की कणिकीय कोशिकाओं द्वारा उत्पन्न होता है और LH-स्त्रवण को संदमित करता है।
(4) यह वृषणों की धात्री (नर्स) कोशिकाओं द्वारा उत्पन्न होता है और LH-स्त्रवण को संदमित करता है।

**Q.46** योग्यतोपार्जन (कैपेसिटेसन)कहाँ होता है :
**[NEET 2017]**
(1) वृषण जालिका (2) अधिवृषण
(3) शुक्र वाहक (4) मादा जनन क्षेत्र

**Q.47** जनन के लिए आवश्यक हाइपोथैलमिक हॉर्मोन GnRH किस पर कार्य करता है? **[NEET 2017]**
(1) अग्र पीयूष ग्रंथि पर और LH तथा FSH के स्त्रावण को उद्दीपित करता है।
(2) पश्च पीयूष ग्रंथि पर और ऑक्सीटॉसिन एवं FSH के स्त्रावण को उद्दीपित करता है।
(3) पश्च पीयूष ग्रंथि पर और LH एवं रिलेक्सिन के स्त्रावण को उद्दीपीत करता है।
(4) अग्र पीयूष ग्रंथि पर और LH एवं ऑक्सीटॉसिन के स्त्रावण को उद्दीपित करता है।

**Q.48** सगर्भता को बनाए रखने के लिए अपरा कौन–से हॉर्मोन स्त्रावित करती है ? **[NEET 2018]**
(1) hCG, hPL, प्रोजेस्टोजेन, प्रोलैक्टिन
(2) hCG, hPL, एस्ट्रोजन, रिलैक्सिन, ऑक्सिटोसिन

(3) hCG, hPL, प्रोजेस्टोजेन, एस्ट्रोजन
(4) hCG, प्रोजेस्टोजेन, एस्ट्रोजन, ग्लूकोकॉर्टिकॉइड

**Q.49** शुक्राणुजनन एवं शुक्राणुयन (स्पर्मिएशन) में क्या अन्तर है? **[NEET 2018]**
(1) शुक्राणुजनन में प्रशुक्राणु बनते हैं, जबकि शुक्राणुयन में शुक्राणु बनते हैं।
(2) शुक्राणुजनन में शुक्राणु बनते हैं, जबकि शुक्राणुयन में शुक्राणुप्रसू बनते हैं।
(3) शुक्राणुजनन में शुक्राणुओं का सर्टोली कोशिकाओं में शुक्रजनक नलिकाओं की गुहिका में मोचन होता है, जबकि शुक्राणुयन में शुक्राणु बनते है।
(4) शुक्राणुजनन में शुक्राणु बनते हैं, जबकि शुक्राणुयन में शुक्राणुओं का सर्टोली कोशिकाओं से शुक्रजनक नलिकाओं की गुहिका में मोचन होता है।

**Q.50** नर जनन तंत्र में शुक्राणु कोशिकाओं के परिवहन के सही क्रम का चयन करें। **[NEET 2019]**
(1) शुक्रजनक नलिकाएँ → शुक्र वाहिकाएँ → अधिवृषण → वंक्षण नाल → मूत्र मार्ग
(2) वृषण → अधिवृषण → शुक्र वाहिकाएँ → शुक्र वाहक → स्खलनीय वाहिनी → वंक्षण नाल → मूत्र मार्ग → यूरेथ्रल मीटस
(3) वृषण → अधिवृषण → शुक्र वाहिकाएँ → वृषण जालिकाएँ → वंक्षण नाल → मूत्र मार्ग
(4) शुक्रजनक नलिकाएँ → वृषण जालिकाएँ → शुक्र वाहिकाएँ → अधिवृषण → शुक्र वाहक → स्खलनीय वाहिनी → मूत्र मार्ग → यूरेथ्रल मीटस

**Q.51** अंडाणु केन्द्रक से द्वितीय ध्रुवीय पिण्ड कब बाहर निकलते हैं ? **[NEET 2019]**
(1) शुक्राणु का अंडाणु में प्रवेश से पहले
(2) प्रथम विदलन के साथ–साथ
(3) शुक्राणु के प्रवेश के बाद लेकिन निषेचन से पहले
(4) निषेचन के बाद

**Q.52** निम्नलिखित मे से कौन सा हार्मोन स्तर ग्रेफियन फॉलिकल से डिब के निकलने का कारण बनेगा। **[NEET 2020]**
(1) प्रोजेस्टेरोन की अधिक मात्रा
(2) LH की कम मात्रा
(3) FSH की कम मात्रा
(4) एस्ट्रोजन की अधिक मात्रा

**Q.53** द्वितीयक ऊसाइट का अर्द्धसूत्री विभाजन पूर्ण होता है– **[NEET 2020]**
(1) मैथून के समय
(2) युग्मक बनने के बाद
(3) शुक्राणु और अण्डाणु का विलय
(4) ओव्यूलेशन से पहले

**Q.54** निम्नलिखित कॉलमो का मिलान करे और सही विकल्प का चयन करे **[NEET 2020]**

| | **Column-I** | | **Column-II** |
|---|---|---|---|
| A | अपरा | i | एण्ड्रोजिनस |
| B | जेना पेलुसिडा | ii | मानव कोरियोनिक गोनाडोट्रोवीन (HCG) |
| C | ब्लबो–येरेथला ग्रन्थि | iii | अण्डाणु की परत |
| D | लैंडिग कोशिका | iv | लिंग की चिकनाई (lubrication) |

(1) A-i, B-iv, C-ii, D-iii
(2) A-iii, B-ii, C-iv, D-i
(3) A-ii, B-iii, C-iv, D-i
(4) A-iv, B-iii, C-i, D-ii

**Q.55** मानव में गर्भावस्था के 12 सप्ताह (पहली तिमाही) के अंत में, निम्नलिखित देखा जाता है– **[NEET 2020 Re-covid]**
(1) ज्यादातर अंग प्रणाली बनती है
(2) सिर का बारिक बालो से ढकना
(3) भ्रूण का घुमना
(4) पलको का बनना

**Q.56** निम्नलिखित समूह में से अगुणित कोशिका के सही विकल्प को चुने **[NEET 2020 Re-covid]**
(1) द्वितीयक स्पर्मेटोसाइट, प्रथम ध्रवीय काय, अण्ड
(2) स्पर्मेटोगोनिया, प्राथमिक स्पर्मेटोसाइट, स्पर्मेटीड
(3) प्राथमिक स्पर्मेटोसाइट, द्वितीयक स्पर्मेटोसाइट, द्वितीय ध्रवीय काय
(4) प्राथमिक ऊसाइट, द्वितीयक ऊसाइट, स्पर्मेटीड

**Q.57** स्तनधारियो में शुक्राणु बंधन के लिये ग्राही (Receptor) मौजूद होते है– **[NEET 2021]**
(1) कोरोना रेडियटा (2) वाइटलाइन झिल्ली
(3) प्रीवाइटलाइन स्पेस (4) जोना पेलुसिडा

**Q.58** इनमे से कौनसा घटक मानव प्रसव की शुरूआत में आवश्यक है **[NEET 2021]**
(1) एस्ट्रोजन और प्रोजेस्टेरोन का अनुपात बढ़ना
(2) प्रोस्टेगेलेडिन्स का संश्लेषण
(3) ओक्सीटोक्सीन का निष्कासन
(4) प्रोलेक्टीन का निष्कासन

**Q.59** गर्भावस्था के बाद के चरण के दौरान निम्नलिखित में से कौन सा हार्मोन स्रावित करता है, आराम करता है? **[NEET- 2021]**
(1) गर्भाशय (2) ग्राफियन कूप
(3) कॉर्पस ल्यूटियम (4) भ्रूण

**Q.60** नीचे दो कथन दिए गए हैं
**कथन–I** शुक्रजनक नलिकाओं में शुक्राणुओं का निकलना शुक्राणुकरण कहलाता है।

**कथन –II** शुक्राणुजनन शुक्राणुजनन से शुक्राणुओं के निर्माण की प्रक्रिया है।

उपरोक्त कथनों के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:

**[NEET-2022]**

(1) कथन –I और कथन –II दोनों सही हैं
(2) कथन –I और कथन –II दोनों गलत हैं
(3) कथन –I सही है लेकिन कथन –II गलत है
(4) कथन –I गलत है लेकिन कथन –II सही है

**Q. 61** निम्नलिखित में से कौन सा कथन शुक्राणुजनन के लिए सही है लेकिन अण्डजनन के लिए सही नहीं है? **[NEET-2022]**

(i) इसके परिणामस्वरूप अगुणित युग्मक बनते हैं।
(ii) अर्धसूत्रीविभाजन पूरा होने के बाद युग्मक का विभेदन होता है।
(iii) अर्धसूत्रीविभाजन एक माइटोटिक रूप से विभाजित स्टेम सेल आबादी में लगातार होता है
(iv) यह पूर्वकाल पिट्यूटरी द्वारा स्रावित ल्यूटिनाइजिंग हार्मोन (LH) और कूप उत्तेजक हार्मोन (FSH) द्वारा नियंत्रित होता है
(v) इसकी शुरुआत युवावस्था में होती है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर चुनें:

(1) (iii) और (v) केवल
(2) (ii) और (iii) केवल
(3) (ii), (iv) और (v) केवल
(4) (ii), (iii) और (iv) केवल

**Q.62** जीवन के किस चरण में ओजेनसिस प्रक्रिया शुरू की जाती है? **[NEET-2022]**

(1) यौवन
(2) भ्रूण विकास अवस्था
(3) जन्म
(4) वयस्क

**Q.63** महिला प्रजनन चक्र के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है? **[NEET-2023]**

A. गैर–प्राइमेट स्तनधारियों में प्रजनन के दौरान होने वाले चक्रीय परिवर्तनों को मद चक्र कहा जाता है।
B. पहला मासिक धर्म यौवन पर शुरू होता है और इसे रजोनिवृत्ति कहा जाता है।
C. मासिक धर्म की अनुपस्थिति गर्भावस्था का संकेत हो सकती है।
D. चक्रीय मासिक धर्म रजोदर्शन और रजोनिवृत्ति के बीच चलता है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चुनाव कीजिए–

(1) केवल A और B (2) केवल A, B और C
(3) केवल A, C और D (4) केवल A और D

**Q.64** नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन A के रूप में लेबल किया गया है और दूसरे को कारण R के रूप में लेबल किया गया है। **[NEET-2023]**

**अभिकथन A:** ब्लास्टोसिस्ट के प्रत्यारोपण के लिए एंडोमेट्रियम आवश्यक है।

**कारण R:** निषेचन की अनुपस्थिति में, कॉर्पस ल्यूटियम का क्षरण होता है जिससे एंडोमेट्रियम का विघटन होता है।

उपरोक्त कथनों के आलोक में नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें:

(1) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।
(2) A सत्य है लेकिन R असत्य है।
(3) A असत्य है लेकिन R सत्य है।
(4) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है।

**Q.65** नीचे दो कथन दिए गए हैं: **[NEET-2023]**

**कथन I:** शुक्रवाहक वीर्य पुटिका से एक वाहिनी प्राप्त करता है और स्खलन वाहिनी के रूप में मूत्रमार्ग में खुलता है।

**कथन II:** गर्भाशय ग्रीवा की गुहा को ग्रीवा नाल कहा जाता है जो योनि के साथ मिलकर जन्म नाल बनाती है।

उपरोक्त कथनों के आलोक में नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें:

(1) कथन I और कथन II दोनों गलत हैं।
(2) कथन I सही है लेकिन कथन II गलत है।
(3) कथन I गलत है लेकिन कथन II सत्य है।
(4) कथन I और कथन II दोनों सत्य हैं।

MAHAN SIR

# ANSWER KEY

## NEET - FLASHBACK

| **Que.** | **1** | **2** | **3** | **4** | **5** | **6** | **7** | **8** | **9** | **10** | **11** | **12** | **13** | **14** | **15** |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| Ans. | 4 | 4 | 2 | 1 | 3 | 2 | 1 | 2 | 3 | 3 | 4 | 3 | 2 | 3 | 4 |
| **Que.** | **16** | **17** | **18** | **19** | **20** | **21** | **22** | **23** | **24** | **25** | **26** | **27** | **28** | **29** | **30** |
| Ans. | 3 | 2 | 2 | 3 | 3 | 2 | 1 | 2 | 2 | 4 | 3 | 4 | 3 | 2 | 1 |
| **Que.** | **31** | **32** | **33** | **34** | **35** | **36** | **37** | **38** | **39** | **40** | **41** | **42** | **43** | **44** | **45** |
| Ans. | 3 | 2 | 1 | 2 | 4 | 3 | 2 | 3 | 1 | 2 | 3 | 4 | 3 | 4 | 2 |
| **Que.** | **46** | **47** | **48** | **49** | **50** | **51** | **52** | **53** | **54** | **55** | **56** | **57** | **58** | **59** | **60** |
| Ans. | 4 | 1 | 3 | 4 | 4 | 3 | 4 | 3 | 3 | 1 | 1 | 4 | 4 | 4 | 3 |
| **Que.** | **61** | **62** | **63** | **64** | **65** | | | | | | | | | | |
| Ans. | 4 | 2 | 3 | 1 | 4 | | | | | | | | | | |

KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR